

उसके राजा पिता ने बेटे जैसा पाला है। चित्रांगदा अर्जुन के प्यार में पागल हो जाती है और

करने लगती है, जो एक बौद्ध भिक्षु है। आनंद को पान के लिए चंडालिका अपनी मां से कहती है

पाना का अपना प्यार हासिल होता है, पर प्यार को जीत कर भी दोनों हार जाती हैं। एनाक्षी डे विश्वास के डायरेक्शन में

अल्का, उज्ज्वल, मानसी, रौनक, स्वास्तिका ने सशक्त अभिनय से महिलाओं को संदेश दिया कि वे अपना रास्ता खुद चुनें।

जुटग लखक-पत्र

पटना | महिलाओं पर हो रहे शोषण घटनाओं पर वी स्पीक संस्था की का आयोजन रविवार को किया

सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम और पत्रकार अपने विचार रखेंगे अज्वास ने बताया कि इस डिस्क की चेंबर पर्सन स्वाति मालीवाल, खान, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल आरजे रेडियो मिर्ची अंजली, वरिष्ठ पत्रकार अमलेन्दु अस्थाना

# वर्ल्ड केव आर्ट पर बच्चों ने बनाई खूबसूरत पेंटिंग

## बिहार म्यूजियम में एग्जीबिशन, वर्कशॉप में दिखा बच्चों की कूची का कमाल

सिटी रिपोर्टर | पटना

बिहार म्यूजियम और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स न्यू दिल्ली की ओर से बिहार म्यूजियम के टेम्पररी गैलरी में विश्व शैलचित्र कला पर आधारित एक एग्जीबिशन लगाया गया। 14 सितंबर तक इस एग्जीबिशन को दर्शक देख सकते हैं। इसके साथ ही इस एग्जीबिशन पर आधारित स्कूली बच्चों के लिए वर्कशॉप का आयोजन शनिवार को बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। इसमें



पांचवीं से आठवीं क्लास तक के बच्चों ने पार्टिसिपेट किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों

को मानवजाति के इस प्रारंभिक रचनात्मक कला के विषय में सूचना और जागरूकता प्रदान

करना था। विश्व के शैलचित्र मानवीय प्रयासों की रोचक गाथा है, जिसके द्वारा मानव ने अपने सौंदर्य बोध को वास्तविक रूप देने का प्रयास किया। बच्चों ने एग्जीबिशन देखकर पेंटिंग को बहुत ही शानदार तरीके से बनाया। वर्कशॉप में आर्य कन्या विद्यालय, नया टोला, दयानंद कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, आशा स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, बिशॉप स्कॉट बॉय स्कूल जैसे स्कूलों के स्टूडेंट्स ने भाग लिया।

## 'धुनों की यात्रा' में बदलाव के प्रभाव

पटना | बिहार म्यूजियम में आज से सिनेमा में संगीत के बदलते दौर किया जाएगा। धुनों की यात्रा नाम लेखक और संगीत विशेषज्ञ पंक और पुराने गीतों में बदलाव और बारे में चर्चा करेंगे। 1930 में देश हताश, उदासी और आज के दौर मुद्दे पर बनने वाली संगीत की वि की जाएगी।

# कार्ड और पोस्टर पर स्वामी शिक्षा की दशा